**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

स्‍कूल शिक्षा और साक्षरता विभाग

**राज्‍य सभा**

अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या: 1184

उत्‍तर देने की तारीख: 20.12.2018

**राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद**

**की किताबों में स्वतंत्रता सेनानियों का उल्लेख**

1184. श्री श्वेत मलिकः

 क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या यह सच है कि इतिहास की पुस्तकों में और राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के पाठ्यक्रमों में पंजाब के भगत सिंह और लाला लाजपत राय जैसे स्वतंत्रता सेनानियों, समाज सुधारकों के बारे में शायद ही कोई उल्लेख किया गया है; और

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार महान शख्सियतों के जीवन और कार्यों को राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद में शामिल करने पर विचार करेगी और यदि हां,तो इसे कब तक शामिल किया जाएगा और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

**उत्तर**

**मानव संसाधन विकास मंत्रालय में राज्य मंत्री**

**(डॉ. सत्य पाल सिंह)**

(क) और (ख): राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) ने पंजाब के भगत सिंह और लाला लाजपत राय जैसे स्वतंत्रता सेनानियों और समाज सुधारकों के योगदान को कक्षा 8 और 12 की पाठ्यपुस्तकों में शामिल किया है। एनसीईआरटी आदर्श पाठ्यपुस्‍तक तैयार करता है, जिसमें सम्‍पूर्ण भारत के विभिन्‍न क्षेत्रों की महान विभूतियों के संदर्भ दिए जाते हैं। इसमें चुनिंदा सामग्री को शामिल किया जाता है ताकि पाठ्यचर्या पर अधिक भार न पड़ें। शिक्षा संविधान की समवर्ती सूची का विषय होने के नाते और अधिकांश स्‍कूल राज्‍य सरकार के क्षेत्राधिकार के अंतर्गत होने के कारण यह संबंधित राज्‍य सरकार पर है कि वह राज्‍य विशेष की आवश्‍यकताओं के अनुरूप और देश के राज्‍यों के मध्‍य संस्‍कृति, भाषायी और भौगोलिक विविधताओं का ध्‍यान रखते हुए एनसीईआरटी की पाठ्यपुस्‍तकों को अपनाए अथवा राष्‍ट्रीय पाठ्यचर्या कार्यढांचा-2005 के आधार पर अपनी पाठ्यपुस्‍तकें स्‍वयं विकसित करें। राज्यों को उनकी पाठ्य-पुस्तकों में अपनी संबंधित विभूतियों को और अधिक कवरेज देने की छूट है।

**\*\*\*\*\***